खाटूवाले के दरबार आओ | By Dhiraj vairagade

ज़िन्दगी को ना ऐसे मिटाओ
आओ आओ मेरे साथ आओ
मिल जायेगा तुमको सहारा
खाटू वाले के दरबार जाओ

हर घडी देखो रेहमत बरसती
खाटू नगरी में कान्हा की हस्ती
भीड़ दीवानो की खूब है रहती
दिल में भक्ति की है ऐसी मस्ती
चलो जमके लगाओ जयकारा
बाबा खाटू के दरबार आओ

शीश का दानी बाबा निराला
जिसने गिरते को हर दम सम्भाला
जिसको है श्याम जी पर भरोसा
उनकी राहों का बनते उजाला
अपने भक्तों का प्यारा दुलारा
बाबा खाटू के दरबार आओ

बाबा देता है सबको सहारा
दिल से जिसने भी उसको पुकारा
होता जीवन तो उसका सलोना
थामा जिसने निरंजन ये द्वारा
तुम भी धीरज मिटाओ अँधियारा
बाबा खाटू के दरबार आओ

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%82%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%a6%e0%a4%b0%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%86%e0%a4%93-by-dhiraj-vairagade/